7618

एम.एच.डी.03

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

एम.एच.डी.–03 : उपन्यास एवं कहानी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. आंचलिक उपन्यास की परंपरा में 'मैला आँचल' का स्थान निर्धारित कीजिए। **20**

अथवा

'गोदान' भारतीय किसान की त्रासदी को वास्तविक रूप में अभिव्यक्त करता है। अपना मत प्रस्तुत कीजिए।

2. 'धरती धन न अपना' जाति प्रथा के क्रूरतम, हिंसात्मक और उत्पीड़क स्वरूप की वास्तविक्ता से परिचित कराता है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। **20**

अथवा

भट्टिनी एवं निउनिया का चरित्र–चित्रण कीजिए।

3. 'सूखा बरगद' में चित्रित यथार्थ का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

'ठाकुर का कुआँ' में प्रस्तुत दलित जीवन त्रासदी का विवेचन कीजिए।

4. 'यह अंत नहीं' कहानी के माध्यम से गांव देहात में असुरक्षित दलित स्त्री शोषण पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। 20

अथवा

मन्नू भंडारी की कहानी 'त्रिशंकु' का विश्लेषण करते हुए दो पीढ़ियों के बीच के संघर्ष पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणी लिखिए: **10x2=20**

(क) 'चीफ की दावत' का प्रतिपाद्य

(ख) 'भोलाराम का जीव' में व्यंग्यात्मकता

(ग) 'सिक्का बदल गया' में विभाजन का दर्द

(घ) 'पिता' कहानी का मध्यवर्गीय मानस

——— *** ———